

Order Sheet (Subsequent)

CNR NUMBER

Number of Case Year

Versus

Date	Order with initials of Presiding Officer	Brief note of compliance of the Order
	<p>पेशी पर मा. राजस्व मंडल, अजमेर में चल रहे प्रकरण की स्थिति पेश करें। अन्यथा न्यायालय द्वारा कोई भी आदेश दिया जाता है तो शमस्त जिम्मेदारी आप अधिकारता गण की होगी। न्यायालय की कार्यवाही की शुरुआत है या नहीं स्पष्ट करें। पत्रावली वाले मा. राजस्व मंडल, अजमेर प्रकरण की स्थिति पेश करने हेतु पत्रावली दिनांक 27/05/2024 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;"><i>Prinika</i></p>	
27/05/24	<p>पत्रावली पेश। अचि. प्रति. द्वारा मा. राजस्व मंडल, अजमेर में चल रहे प्रकरण की copy पेश की गई। पत्रावली का अवलोकन किया गया। उपलब्ध दस्तावेजों, शपथ-पत्र, कानूनी उदरों के आधार पर निम्नानुसार वाद निस्तारण किया जाता है-</p> <p>"पत्रा. पत्र under 07 RII CPC स्वीकार करते हुए वाद खारिज किया जाता है। As per 07 RII CPC (d) -" where the suit appears from the statement in the plaint to be barred by any law."</p> <p>As per section 188 of RTA -" Any</p>	

सहायक कलक्टर (क) जोधपुर

4

Order Sheet (Subsequent)

CNR NUMBER

Number of Case Year

Versus

Date	Order with initials of Presiding Officer	Brief note of comp of the Order
	<p>tenant whose right to or enjoyment of the whole or a part of his holding is invaded by landlord or any other person may bring a suit for the grant of perpetual injunction.</p> <p>उपरोक्त से स्पष्ट है कि धारा 188 राज. काश्तकारी कानून के तहत केवल tenant वाद ला सकता है। चूंकि वादगण tenant of disputed land नहीं हैं, अतः वाद की later stages में किसी प्रकार का अनुतोष दिया जाना संभव नहीं होगा। अतः वाद इसी stage पर स्वारिज फरमाया जाता है। आदेश पढ़कर सुनाया गया। पत्रावली फंसल सुमार होकर दारिबल दफ्तर हो।</p> <p>Prinds</p> <p>सहायक कलक्टर (क्रस्ट ट्रेक) जोधपुर</p> 	